



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1.

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 147]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 11, 2000/आषाढ़ 20, 1922

No. 147]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 11, 2000/ASADHA 20, 1922

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2000

अंतिम जांच परिणाम

विषय : ताईवान से एक्रिलिक फाइबर के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच-अंतिम जांच परिणाम
सं. 27/1/99-डीजीएडी.— वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण और क्षति निर्धारण) नियम, 1995 को ध्यान में रखते हुए:

क. प्रक्रिया

1. नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:
 - (i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें इसके बाद प्राधिकारी भी कहा गया है) ने दिनांक 10 नवम्बर, 1999 की अधिसूचना द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों को अधिसूचित किया था तथा हितबद्ध पार्टियों से इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर लिखित रूप में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया था;
 - (ii) प्राधिकारी ने ज्ञात हितबद्ध पार्टियों को प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति भेजी थी जिनसे पत्र की तारीख से चालीस दिनों के भीतर प्रारंभिक निष्कर्षों के बारे में अपने विचार यदि कोई हों प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था;
 - (iii) प्राधिकारी ने प्रारंभिक निष्कर्षों की एक प्रति नई दिल्ली स्थित सांस्कृतिक एवं आर्थिक केन्द्र, ताईवान को भी इस अनुरोध के साथ भेजी थी कि वे प्रारंभिक निष्कर्षों पर अपने विचार प्रस्तुत करें।

- (iv) प्राधिकारी ने हितबद्ध पार्टियों को मौखिक रूप से सुनने के लिए एक सार्वजनिक सुनवाई की थी जिसमें एक्रीलिक विनिर्माता संघ के मंच, मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान तथा नई दिल्ली स्थित ताईवान के आर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सार्वजनिक सुनवाई में भाग लेने वाली पार्टियों से यह अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों का लिखित निवेदन प्रस्तुत करें। हितबद्ध पार्टियों से इस प्रकार प्राप्त लिखित निवेदनों पर निदिष्ट प्राधिकारी द्वारा इस निष्कर्ष में विचार किया गया है;
- (v) प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पार्टियों को विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फाइल उनके अनुरोध पर निरीक्षण हेतु उपलब्ध करवाई थी;
- (vi) प्रारंभिक निष्कर्षों की घोषणा से पहले हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्क, जिन्हें अधिसूचित किए गए प्रारंभिक निष्कर्षों में प्रकाशित किया गया है को संक्षिप्तता के कारण इसमें दोहराया नहीं गया है। परन्तु हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए तर्कों पर प्रारंभिक निष्कर्षों और/या इन निष्कर्षों में उचित ढंग से विचार किया गया है;
- (vii) उपरोक्त नियमों के नियम 16 के अनुसार इन निष्कर्षों के लिए विचार किए गए अनिवार्य तथ्यों/आधार का ज्ञात हितबद्ध पार्टियों के लिए खुलासा किया गया था और उन पर मिली टिप्पणियों पर भी इन निष्कर्षों में विधिवत् विचार किया गया है।
- (viii) इस अधिसूचना में **** चिह्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचनाओं को प्रदर्शित करता है और प्राधिकारी ने नियमों के तहत इन्हें गोपनीय ही माना है।

ख. याचिकाकर्ताओं, निर्यातकों, आयातकों एवं अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार तथा प्राधिकारी द्वारा उनकी जांच

2. हितबद्ध पार्टियों द्वारा दिए गए निवेदनों की जांच की गई है, उन पर विचार किया गया है तथा यहां नीचे उचित स्थानों पर इनकी चर्चा की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद

3. प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के लिए विचाराधीन उत्पाद पर एक्रीलिक स्टेपल फाइबर, एक्रीलिक टो तथा एक्रीलिक टॉप किस्मों में एक्रीलिक फाइबर के रूप में विचार किया गया था। एक्रीलिक फाइबर सिंथेटिक पोलिमर की एक लंबी श्रृंखला है जो भार के अनुसार कम से कम 85% एक्रीलोपाइड्राइल इकायों की बनी हुई है। एक्रीलिक फाइबर का उत्पादन विभिन्न ग्रेडों में किया जाता है जिन्हें डेनियर्स के रूप में परिभाषित किया जाता है। एक्रीलिक फाइबर का उत्पादन या तो आर्ट प्रौद्योगिकी के जरिए अथवा शुष्क प्रौद्योगिकी के जरिए किया जाता है। एक्रीलिक फाइबर का प्रयोग विभिन्न घरेलू उपयोगों तथा औद्योगिक उपयोग में होता है।

एक्रीलिक फाइबर सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क कोड 5501 तथा 5503 के तहत वर्गीकृत है ।

4. प्राधिकारी की स्थिति:

हितबद्ध पार्टियों में से किसी ने भी जांचाधीन उत्पाद तथा वर्तमान जांच के दायरे के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया है । इसलिए प्राधिकारी जांचाधीन उत्पाद के संबंध में प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं ।

घ. समान वस्तुएं

5. प्रारंभिक निर्धारण में प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया था कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किया जाने वाला तथा बेचा जाने वाला एक्रीलिक फाइबर और संबद्ध देशों से आयातित एक्रीलिक फाइबर का भारत के उपभोक्ताओं द्वारा एक दूसरे के स्थान पर उपयोग किया जा रहा है । पूरे विश्व में इस उत्पाद के विनिर्माण की प्रक्रिया तथा प्रौद्योगिकी योज्य पदार्थों, सामग्री के रख-रखाव में स्वचलन जैसे मामूली अन्तरों को छोड़ कर मशीनरी कच्ची सामग्री, विनिर्माण की प्रक्रिया के रूपों में समान है।

प्राधिकारी की स्थिति

प्रारंभिक निष्कर्षों के बाद हितबद्ध पार्टियों द्वारा कोई तर्क नहीं दिया गया है इस बात के मद्देनजर प्राधिकारी प्रारंभिक निष्कर्ष के इस निर्णय की पुष्टि करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन किया जाने वाला एक्रीलिक फाइबर तथा संबद्ध देशों से आयात किया जाने वाला एक्रीलिक फाइबर वाणिज्यिक रूप से तथा तकनीकी रूप से प्रतिस्थापन योग्य हैं और संबद्ध नियमों के अर्थों के भीतर समान वस्तुएं हैं ।

ड. घरेलू उद्योग

6. प्रारंभिक निष्कर्षों में प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया था कि याचिका मै0 इंडियन एक्रीलिक लि0, चंडीगढ़, मै0 पशुपति एक्रीलिक लि0 नई दिल्ली तथा मै0 कनसोलिडेटेड फाइबर एंड कैमिकल्स लि0, कलकत्ता द्वारा संयुक्त रूप से दायर की गई थी । याचिकाकर्ता ने यह दावा संयुक्त रूप से दायर की गई थी । याचिकाकर्ता ने यह दावा किया था कि इंडियन पैट्रोकेमिकल लि0, जिसका बड़ोदरा में अपना संयंत्र है, एक्रीलिक फाइबर का उत्पादन करने वाली अन्य कंपनी है । इसलिए यह दावा किया गया है कि केवल चार इकाइयाँ हैं जो भारत में एक्रीलिक फाइबर का काम करती हैं । वर्ष 1998-99 में एक्रीलिक फाइबर का कुल उत्पादन 80,268 मी. टन था तथा याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन 59,168 मी. टन था । इसलिए याचिकाकर्ता का जांचावधि के दौरान एक्रीलिक फाइबर के घरेलू उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा है और इसलिए नियमों के तहत यथा-अपेक्षित घरेलू उद्योग की ओर से याचिका दायर करने का इसके पास आधार है ।

प्राधिकारी की स्थिति

चूँकि घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में किसी भी हितबद्ध पार्टी ने कोई तर्क नहीं दिया है, इसलिए प्राधिकारी जांच में घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने की याचिकाकर्ता की स्थिति के संबंध में अपने प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

च. आयात की मात्रा तथा न्यूनतम आयात

7. हितबद्ध पार्टियों द्वारा यह तर्क दिया गया है कि संबद्ध देशों में से कुछ देशों से आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से कम है और इसलिए कोई शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। हितबद्ध पार्टियों ने निम्नानुसार तर्क दिए हैं-

8. मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन, ताईवान

(i) मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन के द्वारा यह तर्क दिया गया है कि डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित आंकड़ों के आधार पर याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत की गई सांख्यिकी पर विश्वास किया जा रहा है। निर्यातकों द्वारा अपने निवेदनों में यह कहा गया है कि डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित आयात संबंधी सांख्यिकी में स्पष्ट रूप से तीसरे देशों से होने वाले आयात भी शामिल हैं जिसे ताईवान के मूल का कहा गया है। ताईवान से होने वाले आयात की मात्रा का आकलन करने तथा यह पता लगाने के लिए कि क्या ये न्यूनतम सीमा से अधिक हैं, इन निर्यातों को अलग करने की आवश्यकता है।

(ii) याचिकाकर्ता ने नवम्बर, 1998 तक केवल आठ महीनों की अवधि के लिए आयात का मात्रा के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने आठ महीनों की अवधि के लिए याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों पर आधारित आयात की मात्रा पर इस बात को मानते हुए विश्वास किया है कि जांच की शेष अवधि के लिए इसी प्रकार का रुख जारी रहेगा।

9. प्राधिकारी द्वारा जांच

(क) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के समय याचिकाकर्ता ने डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता से प्राप्त आंकड़ों पर आधारित नवम्बर 1998 तक के आयात की मात्रा संबंधी सूचना प्रस्तुत की थी। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत किए गए ये आंकड़े प्रथम दृष्ट्या पाटन की मौजूदगी को दर्शाते हैं और तदनुसार प्राधिकारी ने जांच शुरू की थी

(ख) तथापि, प्राधिकारी ने अपने दिनांक 10 नवम्बर 1999 के प्रारंभिक निष्कर्षों में डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना के अनुसार जांच की अवधि के लिए आयात की मात्रा पर विचार किया और उनका विश्लेषण किया था। डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना में ताईवान से आयात की मात्रा 1590 मी. टन दर्शायी गई थी जो भारत में हुए इसके कुल आयात का 4.38% थी। ये आयात नियम 14(घ) के तहत यथा अपेक्षित आयात की न्यूनतम मात्रा से अधिक पाए गए। निर्यातकों द्वारा दावा किया गया है कि ताईवान से हुए कुछ आयात के बारे में तीसरे देशों के मूल के होने का आरोप है लेकिन उन्हें ताईवान के मूल का माना गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताईवान के रास्ते आयात के आरोप अभी प्रमाणित नहीं हुए हैं। इसलिए इन आरोपों के अंतिम रूप में प्रमाणित होने तक प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना पर विश्वास किया था।

(ग) मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा इसके आगे यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ताईवान में प्रकाशित सूचना के आधार पर उनके द्वारा प्रस्तुत किए गए आयात संबंधी आंकड़ों पर विचार कर सकते हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि निर्यात संबंधी आंकड़ों के समान अवधि में होने के बावजूद भी परिवहन एवं निकासी में लगे समय के कारण इसमें अंतर होने की संभावना है। निर्यातक द्वारा ताईवान में प्रकाशित स्रोतों से प्रस्तुत की गई सूचना के अनुसार सीमाशुल्क शीर्ष 5501 तथा 5503 के तहत ताईवान से निर्यात की मात्रा 1207 मी.टन थी जो जांच अवधि के दौरान भारत में हुए एक्रिलिक फाइबर के कुल आयात का 3.8% बैठती है। इस प्रकार प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ताईवान से प्रकाशित सूचना पर आधारित निर्यात की मात्रा के संबंध में निर्यातक द्वारा किए गए दावों के आधार पर भी आयात की मात्रा नियमों के तहत यथा अपेक्षित न्यूनतम सीमा से अधिक है।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन

10. निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस जांच का जबाब मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन नामक केवल एक ही निर्यातक से प्राप्त हुआ था। मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन तथा अन्य गैर-सहकारी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के आकलन के बारे में यहां नीचे चर्चा की गई है:

मै0 फोरमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन

निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का सत्यापन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा किया गया था। सूचना के सत्यापन के आधार पर सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत का आकलन निम्नानुसार किया गया है:-

सामान्य मूल्य

(i) निर्यातक ने जांच अवधि के दौरान एक्रीलिक फाइबर की घरेलू बिक्रियों के सौदे-वार ब्यौरे प्रस्तुत किए। निर्यातक द्वारा घरेलू बाजार में बेचे गए सामान्य किस्म और विशेष किस्म के एक्रीलिक फाइबर के संबंध में अलग से ब्यौरे प्रस्तुत किए गए थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा घरेलू बाजार में बेचे गए सामान्य किस्म और विशेष किस्म के एक्रीलिक फाइबर की बिक्री कीमत में कोई अंतर नहीं है। कम्पनी ने घरेलू बाजार में $\text{₹} 1.3$ मिलियन एनटी डालर की बीजक कीमत पर सामान्य किस्म के $\text{₹} 1.3$ कि.ग्रा. एक्रीलिक फाइबर की बिक्री की। संबद्ध वस्तु के बिक्री करने के महीने से महीने के ऋण पर घरेलू बाजार में बेचा जाता है। इसप्रकार, निर्यातक ने 10% की ब्याज दर से 10 दिनों की औसत ऋण अवधि के लिए घरेलू बिक्री में ऋण लागत का दावा किया है। इसके अलावा, मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन ने घरेलू बिक्रियों की कारखाना-स्तर लागत निकालने में स्वदेशी भाड़े का दावा किया है। प्राधिकारी द्वारा ऋण लागत और स्वदेशी भाड़े के संबंध में निर्यातकों के दावों की अनुमति दी गयी है।

(ii) कम्पनी से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि के दौरान एक्रीलिक फाइबर की उत्पादन लागत के ब्यौरे को उपलब्ध कराएं। निर्यातक द्वारा संबद्ध वस्तु की उत्पादन लागत के संबंध में अपेक्षित ब्यौरे प्रस्तुत कर दिए गए थे। प्राधिकारी नोट करते हैं कि एक्रीलिक फाइबर के विनिर्माण में एक्रीलोनीट्राइल (एसीएन) की लागत एक प्रमुख निविष्टि है। जांच अवधि के दौरान एसीएन की कीमतों में पर्याप्त अन्तर रहा है। निर्यातक द्वारा प्रस्तुत की गई एसीएन की कीमतों में अन्तर $\text{₹} 1.3$ अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन से लेकर $\text{₹} 1.3$ अमरीकी डालर प्रति मीट्रिक टन तक रहा है। कच्ची सामग्रियों की कीमतों में अन्तर को देखते हुए, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान एक्रीलिक फाइबर की उत्पादन लागत का महीना-वार निर्धारण किया है ताकि यह सत्यापित किया जा सके कि संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियां व्यवहार्य बिक्रियां हैं जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्रियों को एक बड़े भाग की कीमत उसकी उचित उत्पादन लागत से कम रही है जिसमें प्रशासनिक लागतें, बिक्री खर्च और लाभ के लिए उचित मार्जिन शामिल हैं। तथापि, जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तु की भारित औसत बिक्री कीमत भारित औसत उत्पादन लागत से ज्यादा रही थी। इसलिए, प्राधिकारी द्वारा घरेलू बाजार में की गई संबद्ध वस्तु की बिक्री को व्यवहार्य बिक्रियों के रूप में माना गया है जैसाकि पाटनरोधी नियमों के नियम-2 (अनुबंध-1) के तहत अपेक्षित है।

तदनुसार, जांच अवधि के दौरान की गई घरेलू बिक्रियों के आधार पर और स्वदेशी भाड़े और ऋण लागतों के कारण कटौतियों की स्वीकृति देने के पश्चात् प्राधिकारी द्वारा कारखाना-द्वार स्तर पर घरेलू बिक्रियों का निर्धारण $\text{₹} 1.3$ प्रति कि.ग्रा. एनटी डालर ($\text{₹} 1.3$ /कि.ग्रा. अमरीकी डालर) पर किया गया है।

निर्यात कीमत

जांच अवधि के दौरान, मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन ने $\text{₹} 1.3$ अमरीकी डालर की सीआईएफ कीमत पर, $\text{₹} 1.3$ अमरीकी डालर की औसत कीमत पर, भारत को

*** कि.ग्रा. एक्रीलिक फाइबर का निर्यात किया है। इसके अतिरिक्त, भारतीय एजेंट को 10% की दर से कमीशन, स्वदेशी भाड़े पत्तन प्रभारों, विदेशी भाड़े, निकासी एवं हैण्डलिंग प्रभारों और एलसी प्राभारों पर खर्च किए गए थे। यह खर्चों के वास्तविक आधार पर होने के कारण, प्राधिकारी द्वारा निर्यात बिक्री की कारखानाद्वारा पर लागत निकालने में इनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा निर्यातित एक्रीलिक फाइबर की औसत निर्यात कीमत का निर्धारण...अमरीकी डालर कि.ग्रा. पर किया गया है। ऊपर दर्शाई गई पद्धति के आधार पर प्राधिकारी मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन के संबंध में...अमरीकी डालर/कि.ग्रा. या 12.89% पर पाटन मार्जिन का निर्धारण करते हैं।

ज) ताइवान के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन:-

11. ताइवान के किसी अन्य निर्यातक द्वारा मौजूदा जांच में कोई जबाब दर्ज नहीं किया गया था। प्राधिकारी ने ताइवान के अन्य निर्यातकों को सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए संगत सूचना प्रस्तुत करने हेतु अवसर प्रदान किया। प्राधिकारी ने भारत में ताइवान के अर्थिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र को भी पत्र लिखा था। तथापि, किसी अन्य निर्यातक ने मौजूदा जांच से संगत कोई सूचना प्रस्तुत नहीं की है। प्रारंभिक निर्धारण में ताइवान के अन्य निर्यातकों से कोई उत्तर प्राप्त नहीं होने के कारण प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण किया था। ताइवान के किसी भी निर्यातक द्वारा प्रारंभिक निष्कर्षों में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के लिए निर्धारण पर कोई विवाद नहीं उठाया गया है। इसी बात को देखते हुए, प्राधिकारी ने असहयोगी निर्यातकों के संबंध में *** अमरीकी डालर प्रति कि.ग्रा. या 25.52% पर पाटन मार्जिन से संबंधित अपने प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं।

झ) क्षति एवं कारणात्मक संबंध

12. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन द्वारा दिए गए तर्क इस प्रकार हैं:-

क). ताइवान से हुए आयातों की मात्रा नगण्य है और ताइवान से हुए आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट का रुख प्रदर्शित हुआ है। ताइवान से अल्प मात्रा में हुए आयातों की वजह से याचिकाकर्ता को जांच अवधि के दौरान संभवतः वास्तविक क्षति नहीं हो सकती है।

ख). घरेलू उद्योग के संबंध में कीमतों, लाभप्रदता, बिक्री प्राप्ति, उत्पादन या क्षमता उपयोग में अधोगामी रुख को किसी नकारात्मक सह-संबंध की पुष्टि किए बिना ताइवान से हुए आयातों को गलत ढंग से उत्तरदायी ठहराया गया है।

ग). यह आरोप लगाते समय कि ताइवान से भारत को हुए एक्रीलिक फाइबर के निर्यात सामान्य कीमत से कम कीमत पर हुए हैं, याचिकाकर्ता ने इस तथ्य को ध्यान में नहीं रखा कि

भारत को ताइवान से हुए निर्यात की कीमतें सभी अन्य बाजारों को हुए निर्यात की औसत कीमत के एकदम समान रही हैं।

(घ) अगर निर्यातक पर कोई पाटनरोधी शुल्क लगाया जाता है तो भारत के निचले स्तर के उत्पादकों को, जो निर्यातकों के उत्पाद को उपयोग में ला रहे हैं, नुकसान होगा।

(ज) प्राधिकारी द्वारा जांच

13. अपने प्रारंभिक निष्कर्षों में मौजूदा जांच में क्षति एवं कारणात्मक संबंध का निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने इस बात पर विचार किया था कि क्या भारत में सामान वस्तुओं की कीमतों के साथ तुलना करते हुए पाटित आयातों के कारण कीमतों में पर्याप्त कमी आई है या क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में पर्याप्त स्तर तक अन्यथा कमी आनी है या इससे कीमत में होने वाली ऐसी वृद्धि में रुकावट आनी है, जोकि अन्यथा एक पर्याप्त स्तर तक हुई होती। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताइवान से हुए एक्रीलिक फाइबर के आयातों की मात्रा न्यूनतम सीमा से ज्यादा है, जैसाकि नियमों के तहत अपेक्षित है, और ताइवान से हुए आयातों के हिस्से में भारत में हुए एक्रीलिक फाइबर के कुल आयातों की तुलना में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि ताइवान के निर्यातकों ने भारत को एक्रीलिक फाइबर का निर्यात ताइवान में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया है और भारत की कीमत में पर्याप्त कमी आई है। भारत को ताइवान से हुए एक्रीलिक फाइबर के आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग के लिए क्षति-रहित कीमत से कम कीमत पर रहा है। इसने घरेलू उद्योग को अपनी बिक्री कीमत को बढ़ाने से रोका है और इससे संबद्ध वस्तु की बिक्री से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में पर्याप्त गिरावट आई है। उपरोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और घरेलू उद्योग को क्षति ताइवान से एक्रीलिक फाइबर के पाटित आयातों के कारण हुई है। भारत में निचले स्तर के उत्पादकों से सम्बन्धित तर्क सामान्य स्वरूप का है और मौजूदा जांच के क्षेत्र विस्तार के लिए प्रासंगिक नहीं है। पाटनरोधी जांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि संबद्ध वस्तु का आयात एक उचित कीमत पर हो।

14. मैसर्स एशियाटिक एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट द्वारा दिए गए तर्क

प्राधिकारी को मैसर्स एशियाटिक एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट से दिनांक 20 मई, 2000 के अपने पत्र के द्वारा एक संदर्भ प्राप्त हुआ था जिसके साथ अन्य बातों के साथ-साथ, घरेलू उद्योग की कीमत निर्धारण नीति घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्ति की गई एक्रीलिक फाइबर की गुणवत्ता, कीमतों में वृद्धि को देखते हुए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता इत्यादि के संबंध में एक्रीलिक फाइबर के कुछ आयातकों का दृष्टिकोण भेजा था।

प्राधिकारी द्वारा जांच

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मौजूदा जांच में एक्रीलिक फाइबर के किसी भी आयातक ने निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा मांगी गई सूचना का उत्तर नहीं दिया है। एशियाटिक एक्सपोर्ट एवं इम्पोर्ट से प्राप्त दिनांक 20 मई, 2000 के उक्त संदर्भ में मौजूदा जांच में प्राधिकारी की सहायता के लिए कोई आकड़ें या सूचना प्रस्तुत नहीं की गई है। इसलिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मैसर्स एशियाटिक एक्सपोर्ट एंड इम्पोर्ट से प्राप्त उक्त संदर्भ मौजूदा जांच के क्षेत्र विस्तार के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।

(ठ). अंतिम निष्कर्ष

16. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि

(क) ताइवान के मूल के या वहां से निर्यातित एक्रीलिक फाइबर का भारत को निर्यात इसके सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है।

(ख) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है;

(ग) घरेलू उद्योग को हुई यह क्षति ताइवान के मूल के या वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण हुई हैं ।

17. प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क को लगाने की सिफारिश करने पर विचार किया, जिसे यदि लगाया जाता है, तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी । इस प्रयोजनार्थ, आयातों की औसत पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनियों की क्षति रहित बिक्री कीमत के साथ की गई थी । जहाँ कहीं यह अंतर पाटन मार्जिन से कम पाया गया था वहाँ पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है । उपरोक्त के अधीन, प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबंधित प्रारंभिक निष्कर्षों की पुष्टि करते हैं और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के सीमाशुल्क शीर्ष 5501 और 5503 के अंतर्गत आने वाले ताइवान के मूल के या वहाँ से निर्यातित एक्रीलिक फाइबर के सभी आयातों पर निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं । पाटनरोधी शुल्क की राशि, प्रति किग्रा. नीचे दी गई सारणी में उल्लिखित राशि होगी:-

क्र.स.	देश/निर्यातक	(शुल्क की राशि प्रति किग्रा अमरीकी डालर)
1.	ताइवान मैसर्स फारमोसा प्लास्टिक्स कारपोरेशन	0.140
2.	अन्य सभी निर्यातक	0.240

18. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन सीमाशुल्क विभाग द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 या 9 क, जैसा भी मामला हो, के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी सीमाशुल्क शामिल होंगे ।

19. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपरोक्त अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष दायर की जा सकेगी ।

रति विनय झा, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE & INDUSTRY**(Department of Commerce)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 11th July, 2000

FINAL FINDINGS**Subject : Anti dumping investigation concerning imports of Acrylic Fibre from Taiwan-Final Findings.**

27/1/99/-DGAD.— Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof:

A. PROCEDURE

1. The Procedure described below has been followed:
 - i) The Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) notified preliminary findings vide notification dated the 10th November, 1999 and requested the interested parties to make their views known in writing within forty days from the date of its publication;
 - ii) The Authority forwarded a copy of the preliminary findings to known interested parties, who were requested to furnish their views, if any, on the preliminary findings within forty days of the date of the letter;
 - iii) The Authority also forwarded a copy of the preliminary findings to the Cultural & Economic Centre, Taiwan in New Delhi with a request to furnish their views on the preliminary findings;
 - iv) The Authority held a public hearing to hear the interested parties orally, which was attended by representatives of Forum of Acrylic Manufacturer Association, M/s. Formosa Plastics Corporation, Taiwan and Economic and Cultural Centre of Taiwan in New Delhi. The parties attending the public hearing were requested to file written submissions of views expressed orally. The written submissions thus received from interested parties have been considered by Designated Authority in this finding.

- v) The Authority made the public file available to all interested parties containing non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties, for inspection, upon request;
- vi) Arguments raised by interested parties before announcing of preliminary findings, which have been brought out in the preliminary findings notified earlier have not been repeated herein for sake of brevity. However, arguments raised by the interested parties have been appropriately dealt with in the preliminary findings and/or these findings;
- (vii) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties and comments received on the same have also been duly considered in these findings.
- (viii) **** in the Notification represents information furnished by interested parties on confidential basis and so considered by Authority under the Rules.

B. VIEWS OF PETITIONERS, EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES AND EXAMINATION BY AUTHORITY

2. The submissions made by the interested parties have been examined, considered and dealt at appropriate places herein under:-

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:

3. In the Preliminary Findings, the Authority had considered the product under consideration for the present investigation as Acrylic Fibre in the form of Acrylic staple fibre, Acrylic Tow and Acrylic Top. Acrylic Fibre is a long chain of synthetic polymer composed of at least 85% by weight of Acrylonitrile units. The Acrylic Fibre is produced in various grades defined in terms of deniers. Acrylic Fibre is produced either through wet technology or dry technology. Acrylic Fibre has application in various household uses and some industrial use. Acrylic Fibre is classified under custom code 5501 and 5503 of Customs Tariff Act.

4. AUTHORITY POSITION:

No arguments have been raised by any of the interested parties with regards to product under consideration and the scope of present investigation. Therefore, the Authority confirms the preliminary findings with regards to product under consideration.

D. LIKE ARTICLES:

5. In the preliminary determination the Authority held that Acrylic Fibre produced and sold by domestic industry and those imported from the subject countries, are being used interchangeably by the customers in India. The process and technology for manufacturing the product all over world is similar in terms of machinery, raw materials, manufacturing process except for minor differences such as additives, automation in material handling.

AUTHORITY POSITION:

No arguments have been raised by interested parties subsequent to Preliminary Findings. In view of the same, Authority confirms its preliminary findings in that Acrylic Fibre being produced by Domestic Industry and those being imported from subject countries are commercially and technically substitutable and are Like Articles within the meaning of relevant Rules.

E. DOMESTIC INDUSTRY:

6. In the Preliminary Findings, the Authority held that the petition was jointly filed by M/s Indian Acrylics Ltd., Chandigarh, M/s. Pasupati Acrylon Ltd., New Delhi and M/s. Consolidated Fibre and Chemicals Ltd. Calcutta. The petitioner claimed that Indian Petrochemical Ltd., having their plant at Vadodra is the other company producing Acrylic Fibre. Thus, it is claimed that there are only four units which produces Acrylic Fibre in India. The total production of Acrylic Fibre in 1998-99 was 80,268 MT and the production of petitioner companies was 59,168 MT. Thus, the petitioner account for a major portion of the domestic production of Acrylic Fibre during the POI and therefore had the standing to file the petition on behalf of domestic industry as required under the Rules.

AUTHORITY'S POSITION:

As no arguments have been raised by any of the interested parties, with regards to the standing of domestic industry, the Authority confirms its preliminary findings with regard to standing of petitioners to represent domestic industry in the investigation.

F. QUANTUM OF IMPORTS AND DE-MINIMUS IMPORTS:

7. The argument have been made by interested parties that the quantum of imports from some of the subject countries are de-minimus and hence no duties should be levied. The interested parties have argued as under:-

8. M/S. FORMOSA PLASTICS CORPORATION, TAIWAN:

- (i) It has been argued by M/s. Formosa Plastics corporation that reliance is being placed on statistics furnished by petitioners based on data published by DGCI&S, Calcutta. It was stated by the exporters in their submissions that the imports statistics by DGCI&S, Calcutta apparently includes imports from third countries which have been attributed to be originating from Taiwan. These exports needs to be excluded to assess the quantum of imports from Taiwan and whether they are more than the de-minimus limits.
- (ii) The petitioner have furnished information with regard to the quantum of imports only for a period of eight months till November, 1998. The Authority has placed reliance on the quantum of imports based on statistics furnished by petitioners for a period of eight months presuming that similar trends would continue for the remaining period of investigation.

9. EXAMINATION BY AUTHORITY:

- (a) The Authority notes that at the time of initiation of investigation the petitioner had furnished information on quantum of imports based on statistics available from DGCI&S till November, 1998. These statistics furnished by the petitioners prima-facie indicated existence of dumping and accordingly the Authority initiated investigations.
- (b) However, in its Preliminary findings dated the 10th November, 1999, the Authority had considered and analysed the quantum of imports for the period of investigation, as per information published by DGCI&S, Calcutta. The information published by DGCI&S indicated quantum of imports from Taiwan at 1590 MTs which represented 4.38% of the total imports into

India. This is higher than the de-minimus limit of quantum of imports as required under Rule 14 (d). It has been claimed by exporters, that some of the imports from Taiwan are alleged to have originated from third countries but have been attributed to be originating from Taiwan. The Authority notes that these allegations of diversion of exports via Taiwan are not substantiated and hence the Authority has placed reliance on the information of exports from Taiwan as published by DGCI&S, Calcutta.

- (c) It has been further argued by M/s. Formosa Plastic Corporation that the Authority may consider imports statistics as furnished by them based on published information in Taiwan. The Authority notes that there is likely to be variances in the exports statistics even though it may pertain to identical period due to time lag involved in transportation and clearance. However, as per information furnished by the exporter from published sources in Taiwan, the quantum of exports from Taiwan under the Customs heading 5501 and 5503 were 1207 MTs which represents 3.8% of total imports of Acrylic Fibre in India during the period of investigation. Thus, the Authority notes that even based on the claims made by the exporter with regards to quantum of exports based on published information from Taiwan, the quantum of imports are higher than the de-minimus limits as required under the Rules.

G. THE NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:

10. The response in the investigation was received by the Designated Authority only from one exporter from Taiwan i.e. M/s. Formosa Plastics Corporation. The assessment of normal value, export price and dumping margin in respect of M/s. Formosa Plastics Corporation and other non-co-operative exporters is discussed herein under:

M/S.FORMOSA PLASTICS CORPORATION:

The information furnished by the exporter was verified by the Designated Authority. Based on verification of information, the Normal value and exports price is assessed as under:-

NORMAL VALUE:

- (i) The exporter furnished transaction-wise details of domestic sales of Acrylic Fibre during the period of investigation. Separate details were furnished by the exporter with regards to regular type and special type of Acrylic Fibre sold in domestic market. The Authority notes that there is no difference in the sales price of regular type and special type Acrylic Fibre sold by M/s. Formosa Plastics Corporation in the domestic market. The company sold **** Kg of regular type Acrylic Fibre in domestic market at an invoice price of NT\$**** Million. The subject goods are sold in the domestic market at a credit of **** months from the month of sale. Thus, the exporter has claimed credit cost in the domestic sales for an average credit period of **** days at an interest rate of ****%. Besides, M/s. Formosa Plastics Corporation has claimed inland freight in arriving at Ex-factory cost of domestic sales. The claims of the exporters with regard to credit cost and inland freight have been allowed by the Authority.
- (ii) The company was requested to make available details on its cost of production of Acrylic Fibre during the Period of Investigation(POI). The requisite details on cost of production of subject goods was furnished by the exporter. The Authority notes that Acrylonitrile(ACN) cost is a major input in the manufacture of Acrylic Fibre. There has been significant variances in the prices of ACN during the period of investigation. The prices of ACN furnished by the exporter varied from US\$**** per MT to US\$**** per MT. In view of the variances in raw materials prices, Authority has assessed month-wise cost of production of Acrylic Fibre during the period of investigation, in order to verify that domestic sales of subject goods are viable sales as required under the Rules. The Authority notes that a significant portion of domestic sales are at a price below its fair cost of production with additions of reasonable margins for administrative costs, selling expenses and profit. However, the weighted average sales price of subject goods in domestic market was higher than weighted average cost of production during the period of investigation. Therefore, the sale of subject goods in domestic market have been considered by the Authority as viable sales as required under Rule 2(Annexure-1) of Anti-Dumping Rules.

Accordingly, based on domestic sales price during the period of investigation and after allowing for deductions on account of Inland freight and Credit costs, the domestic sales at EX-factory level have been assessed by the Authority at NT\$**** per Kg. (US\$**** per Kg.).

EXPORT PRICE:

During period of investigation, M/s. Formosa Plastics Corporation exported **** Kg. of Acrylic Fibre to India at a CIF price of US\$**** at an average price of US\$****. Further, expenses were incurred on Commission to Indian agent @ ****%, Inland freight, Port charges, Overseas freight, Clearing and handling charges and LC charges. These expenses being on actual basis have been allowed by Authority in arriving at Ex-factory cost of export sales. Accordingly, the average Export Price of Acrylic Fibre exported by M/s. Formosa Plastics Corporation during the POI has been assessed at US\$ **** per Kg.

Based on the methodology as indicated above, the Authority assesses Dumping Margin in respect of M/s. Formosa Plastics Corporation at US\$ **** per Kg. or 12.89 % .

H. DUMPING MARGIN IN RESPECT OF NON-CO-OPERATIVE EXPORTERS FROM TAIWAN:

11. No response was filed in the present investigation by any other exporters from Taiwan. The Authority provided opportunity to other exporters from Taiwan to furnish relevant information for assessment of normal value, export price and dumping margin. The Authority also wrote to the Economic and Cultural Centre of Taiwan in India. However, no other exporter has furnished any information relevant to the present investigation. In the absence of any response from other exporters from Taiwan, in the preliminary determination, the Authority had assessed normal value and export price based on best available information. The assessment of normal value, export price and dumping margin in the preliminary findings has not been disputed by any of the exporters from Taiwan. In view of the same, Authority confirms its preliminary findings with regards to margin of dumping in respect of non-co-operative exporters at US\$**** per Kg. or 25.52%.

I. INJURY AND CAUSAL LINK:

12. The arguments raised by M/s. Formosa Plastics Corporation with regards to Injury and Causal Link are:-

- (a) The quantum of imports from Taiwan are negligible and the market share of imports from Taiwan has shown declining trends. The small quantities of imports from Taiwan could not possibly cause material injury to petitioner during the period of investigation.
- (b) The downward trends in prices, profitability, sales realisation, production or capacity utilisation in respect of domestic industry has been erroneously attributed to imports from Taiwan without establishing any negative co-relation.
- (c) While alleging that the exports of Acrylic Fibre from Taiwan to India has been at a price lower than the Normal value, the petitioner have not taken into consideration the fact that export prices from Taiwan to India have been closely in line with average export price to all other markets.
- (d) If any Anti-Dumping duty is imposed on the exporter, the Indian downstream producers who have been utilising the exporters product would suffer.

J. EXAMINATION BY AUTHORITY:

13. In its preliminary determination while assessing the injury and causal link in the present investigation, the Authority had considered whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared with the prices of like articles in India or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or to prevent increase which otherwise would have occurred to a significant degree. The Authority notes that quantum of imports of Acrylic Fibre from Taiwan are more than the de minimus limits as required under the Rules, and there has been increase in the share of imports from Taiwan relative to the total imports of Acrylic Fibre in India. Authority further notes that the exporters from Taiwan have exported Acrylic Fibre to India at a price lower than the normal value in Taiwan and the sales price to India have declined significantly. The landed value of imports of Acrylic Fibre from Taiwan to India has been at a price lower than the non-injurious price for the domestic industry. This prevented the domestic industry from increasing its sales price and there has been significant erosion in the profitability of domestic industry from the sale of subject goods. In view of the same, the Authority concludes that the domestic industry has suffered material injury and the injury to domestic industry

has been caused due to dumped imports of Acrylic Fibre from Taiwan. The argument regarding effect on down stream producers is generic in nature and is not relevant to the scope of present investigation. The purpose of anti dumping investigation is to ensure that the subject goods are imported at a fair price.

14. **ARGUMENTS BY M/S ASIATIC EXPORT AND IMPORT:**

A reference was received by the Authority from M/s Asiatic Export & Import vide its letter dated 20th May, 2000 enclosing the opinions of some of the importers of Acrylic Fibre, inter-alia, with regards to pricing policy of domestic industry, the quality of Acrylic Fibre supplied by domestic industry, the need for continuance of anti dumping duty in view of increase in prices etc..

EXAMINATION BY AUTHORITY:

The Authority notes that in the present investigation none of the importers of Acrylic Fibre have responded to the information solicited by the Designated Authority. In the reference dated 20th May, 2000 from the Asiatic Export and Import no data or information has been furnished to assist the Authority in the present investigation. The Authority, therefore, notes that the reference from M/s Asiatic Export and Import is not relevant to the scope of present investigation.

L. **FINAL FINDINGS:**

15. The Authority, after considering the foregoing, concludes that:

- (a) Acrylic Fibre originating in or exported from Taiwan has been exported to India below its normal value;
- (b) the domestic industry has suffered material injury;
- (c) injury has been caused to the domestic industry by the dumping of the subject goods originating in or exported from Taiwan.

16. The Authority considered to recommend the amount of Anti-Dumping Duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to domestic industry. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the Non-Injurious selling price of the petitioner companies, determined for the period investigations. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended.
17. Subject to the above, the Authority confirms the preliminary findings with regard to imposition of anti-dumping duty and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on all imports of Acrylic Fibre falling under the Custom heading 5501 and 5503 of Customs Tariff Act. originating in or exported from Taiwan. The amount of Anti-Dumping Duty, per Kg. shall be the amount indicated in the table below:-

Sl. No.	Country/Exporters	Amount of duty (US\$ per Kg)
1.	TAIWAN: M/S. FORMOSA PLASTICSS CORPORATION	0.140
2.	ALL OTHER EXPORTERS	0.240

18. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 or 9A, as the case may be, of the Customs Tariff Act, 1975.
19. An appeal against this order shall lie to the Customs, Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in accordance with the Act, supra.

RATHI VINAY JHA, Designated Authority

